अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय– 4
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

अध्ययन हेतु चयनित उपकरण के माध्यम से चुने गए न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। तत्पश्चात् प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या इस अध्याय में की गई है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति हेतु प्रदत्तों को समूह व उप समूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया है जो नवीन सिद्धान्त की खोज तथा सामान्यीकरण के रूप में है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परिक्षण कर, शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा की गई है।

प्रस्तुत अध्याय में उचित सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया जाता है। इस शोध अध्ययन में कुल 5 परिकल्पनाएं रखी गई है। जिसकी जांच करने के उपरान्त त्वरित प्रदत्तों के प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है।

पी.व्ही. युंग के शब्दों में– संकलित तथ्यों के उचित संस्थिति संबंधों के रूप व्यवस्थित कर विचारपूर्ण आधारशिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है अर्थात् विश्लेषण शोध का सृजनात्मक पक्ष है।

4.2. उद्देश्य

ब्रिजकोर्स के उद्देश्यों को जानने के लिए हमनें आवासीय ब्रिजकोर्स संचालन प्रक्रिया एवं निर्देश का अध्ययन किया । जिसके आधार पर हमें ब्रिजकोर्स के उद्देश्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ जो निम्न है –

4.2.1 ब्रिजकोर्स के उद्देश्यों को जानना

आवासीय ब्रिजकोर्स का उद्देश्य उन बालिकाओं के लिए है जो शाला से बाहर है, जो कभी स्कूल नही गयी या जिन्होंने बीच में पढ़ाई छोड़ दी है उन्हें अपनी उम्र के मुताबिक औपचारिक स्कूल में उचित कक्षा में प्रवेश पाने के लिए तैयार करना है।

4.2.2 ब्रिजकोर्स में नामांकित बच्चों की पृष्ठभूमि का अध्ययन

ब्रिजकोर्स में नामांकित बच्चों की पृष्ठभूमि के अध्ययन के लिए हमने सारणी के द्वारा आंकड़ों में सरलता तथा स्पष्टता लाने की कोशिश की है। इससे वर्णात्मक तथ्य

अधिक व्यवस्थित होकर प्रदर्शन योग्य बन गये है। इसके अंतर्गत बच्चों की पृष्ठभूमि विभिन्न स्तम्भों तथा पंक्ति में प्रस्तुत हुई है जिसे समझने में सरलता तथा सुविधा हुई है। अतः विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि के अध्ययन के लिए 7 तालिकाऐं प्रस्तुत हैं जो निम्न है :–

तालिका क्रमांक – 4.1

ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की जाति

क्रमांक	जाति	विद्यार्थी
1	सामान्य	11
2	पिछड़ा वर्ग	5
3	अनुसूचित जाति	9
4	अनुसूचित जनजाति	—
	कुल योग	**25**

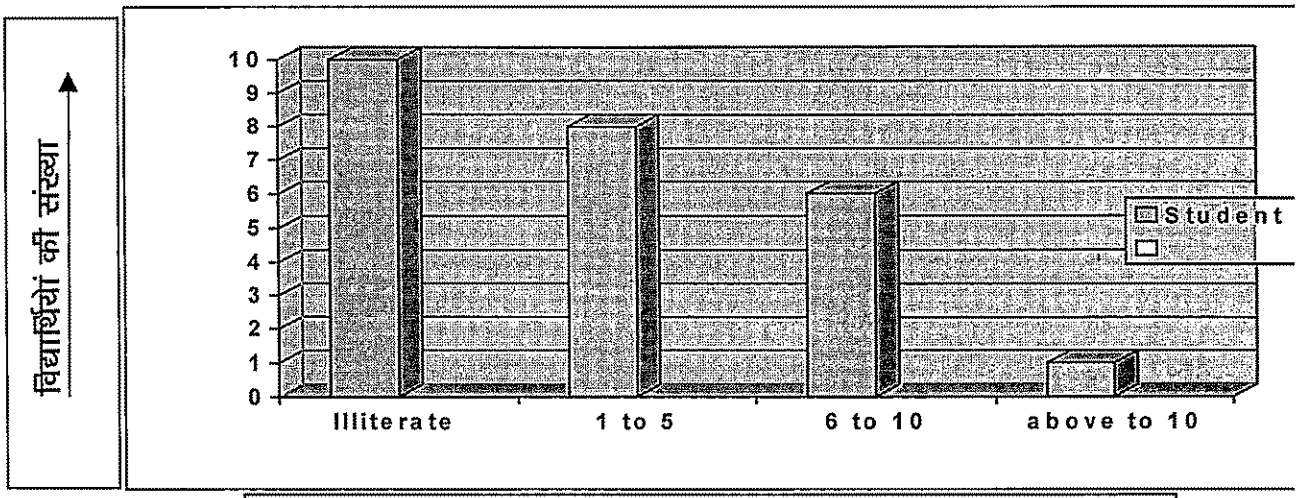

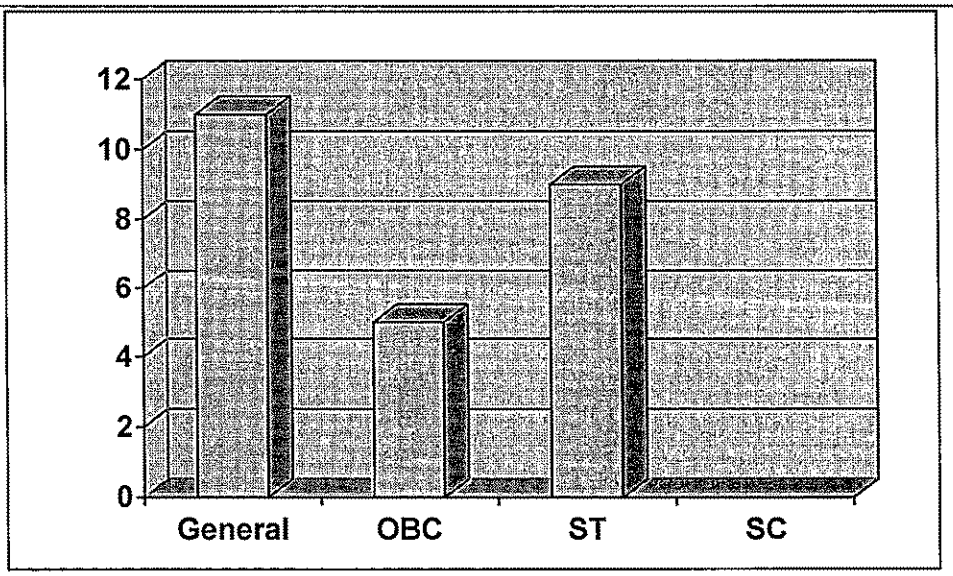

तालिका क्रमांक –4.1 से हमें यह पता चलता है कि सभी न्यादर्श में सामान्य वर्ग में 11, पिछड़ा वर्ग ने 5 तथा अनुसूचित जाति की 9 छात्राएं है।

तालिका क्रमांक –4.2

ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों के शाला त्याग की कक्षा

क्रमांक	कक्षा	विद्यार्थी
1	1	3
2	2	6
3	3	4
4	4	12
	कुल योग	**25**

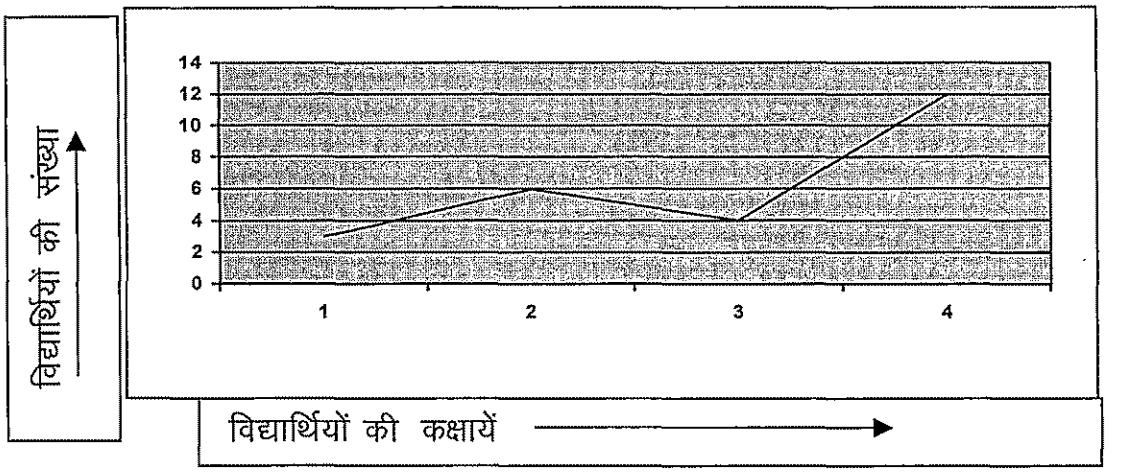

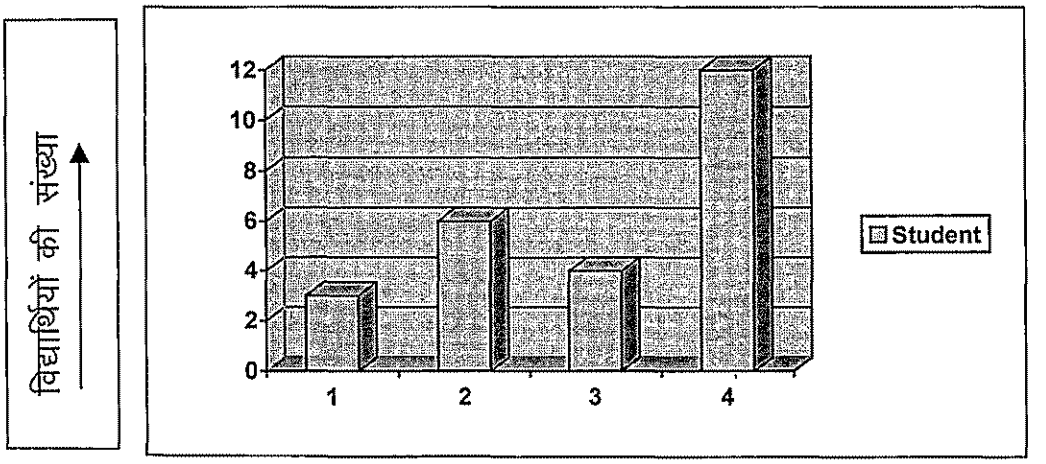

तालिका क्रमांक –4.2 यह दर्शाती है कि 3 छात्राओं ने कक्षा 1 में, 6 छात्राओं ने कक्षा 2 में, 4 छात्राओं ने कक्षा 3 में, तथा 12 छात्राओं ने कक्षा 4 के बाद शाला त्याग किया है।

तालिका क्रमांक –4.3

ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की शाला त्याग के कारण

क्रमांक	जाति	विद्यार्थी
1	विद्यालय घर से दूर	9
2	पारिवारिक स्थिति	7
3	माता पिता का स्वास्थ्य	9
	कुल योग	**25**

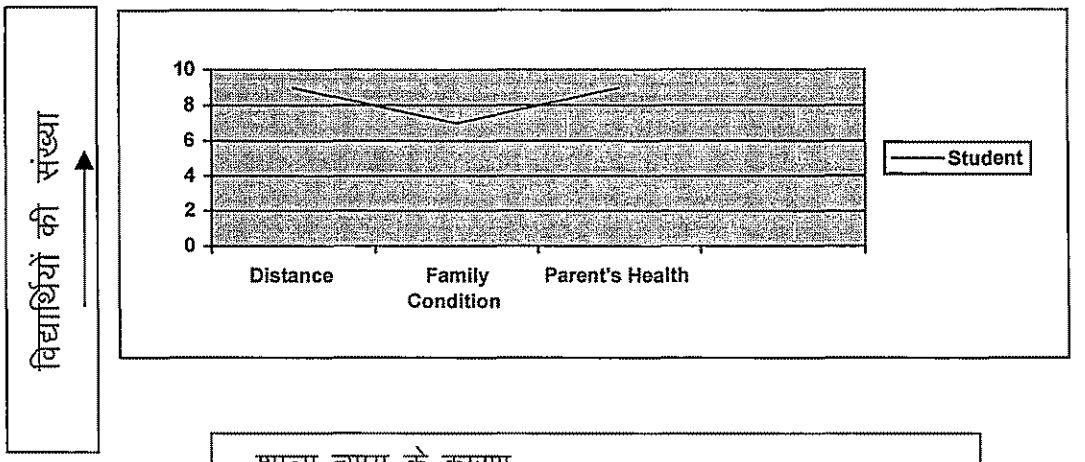

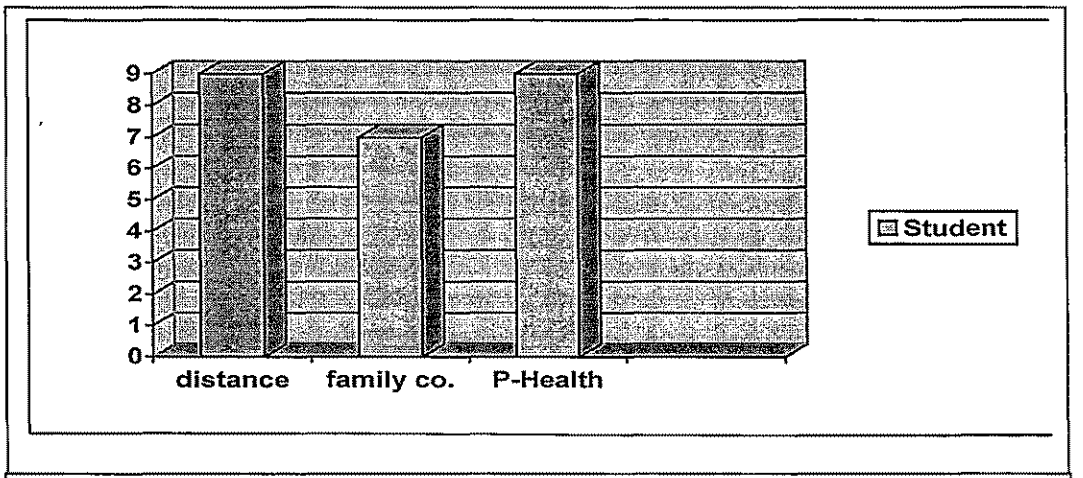

तालिका क्रमांक –4.3 यह सूचित करती है कि 9 विद्यार्थियों ने शाला दूर, 7 विद्यार्थियों की पारिवारिक स्थिति ठीक न होने तथा 9 विद्यार्थियों के माता–पिता का स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण शाला त्याग किया।

तालिका क्रमांक – 4.4

ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों के पिता की शिक्षा

क्रमांक	पिता की शिक्षा (कक्षा)	विद्यार्थी
1	अनपढ़	5
2	1 से 5 तक	8
3	6 से 10 तक	9
4	10 से ज्यादा	3
	कुल योग	**25**

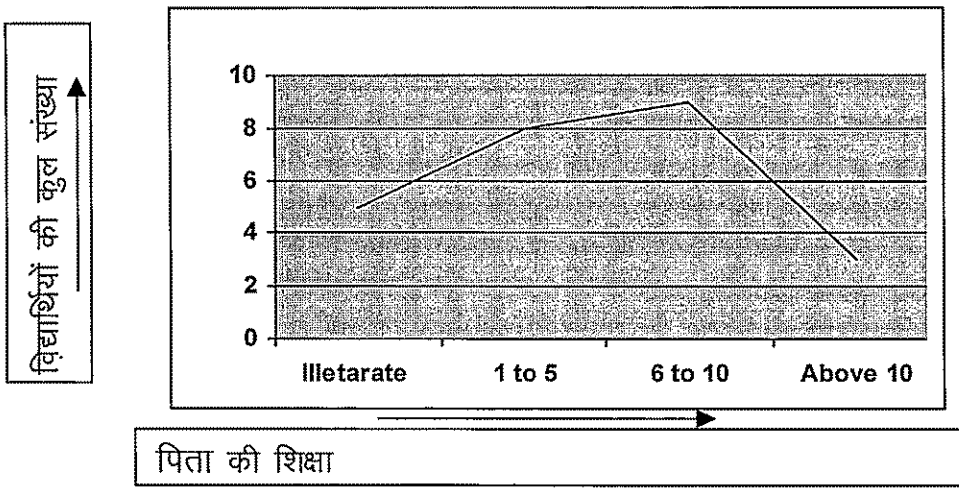

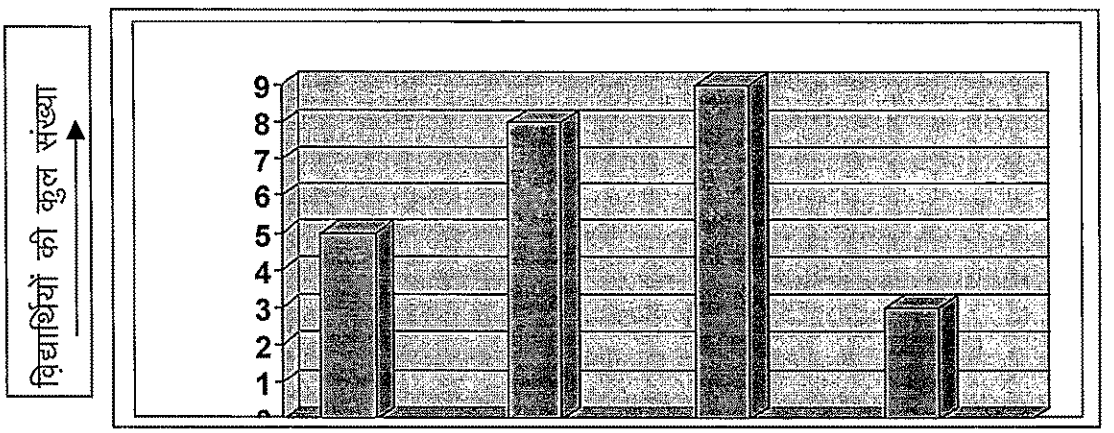

तालिका क्रमांक–4.4 प्रदर्शित करती है कि 5 विद्यार्थियों के पिताजी अनपढ़, 8 विद्यार्थियों के पिताजी कक्षा 1–5, 9 विद्यार्थियों के पिताजी कक्षा 6–10 तथा 3 विद्यार्थियों के पिताजी कक्षा 10 से ज्यादा शिक्षित है।

तालिका क्रमांक – 4.5

ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की माता की शिक्षा

क्रमांक	माता की शिक्षा (कक्षा)	विद्यार्थी
1	अनपढ़	10
2	1 से 5 तक	8
3	6 से 10 तक	6
4	10 से ज्यादा	1
	कुल योग	**25**

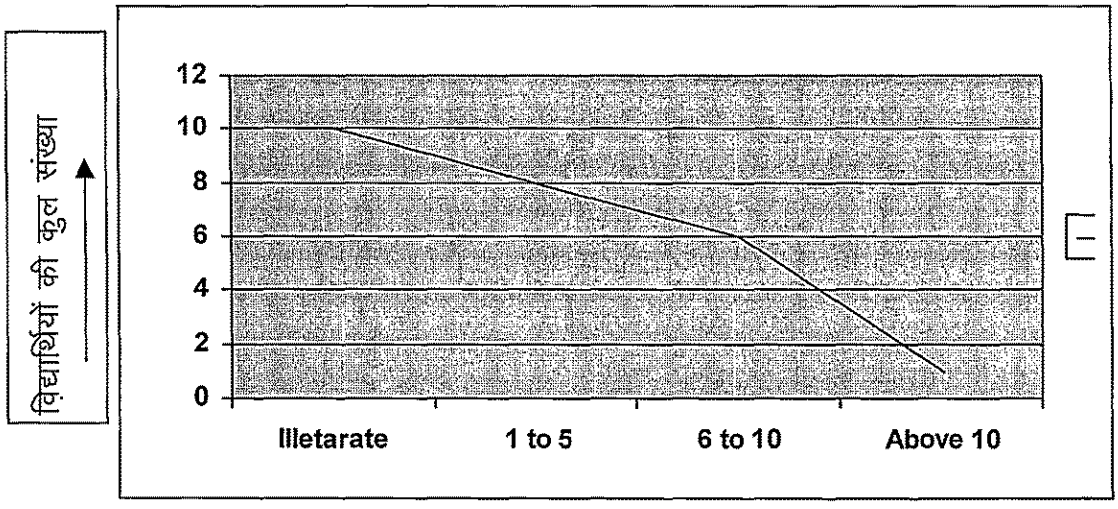

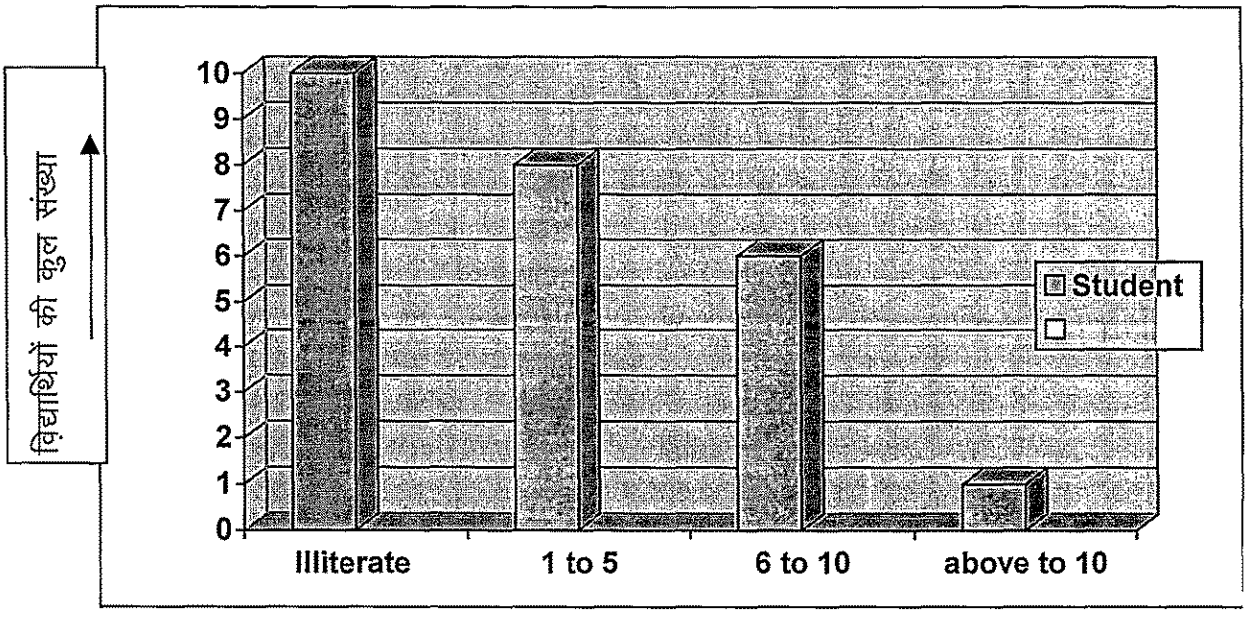

तालिका क्रमांक –4.5 प्रदर्शित करती है कि 10 विद्यार्थियों की माता अनपढ़, 8 विद्यार्थियों की माता कक्षा 1–5, 6 विद्यार्थियों की माता 6–10 तथा 1 विद्यार्थी की माता कक्षा 10 से ज्यादा शिक्षित है।

तालिका क्रमांक – 4.6
ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों के पिता का व्यवसाय

क्रमांक	पिता का व्यवसाय	कुल संख्या
1	मजदूरी	14
2	स्वयं का व्यवसाय	7
3	मैकेनिक	04
	कुल योग	**25**

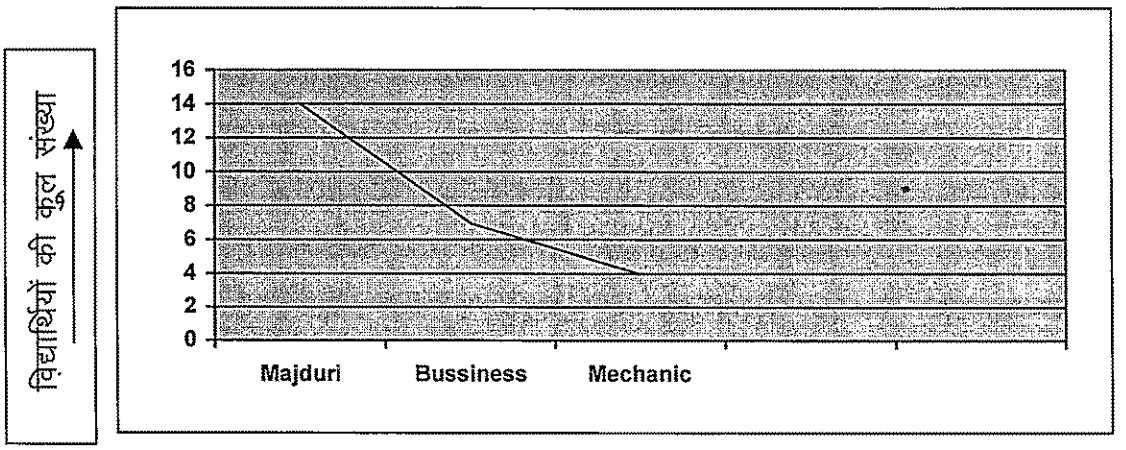

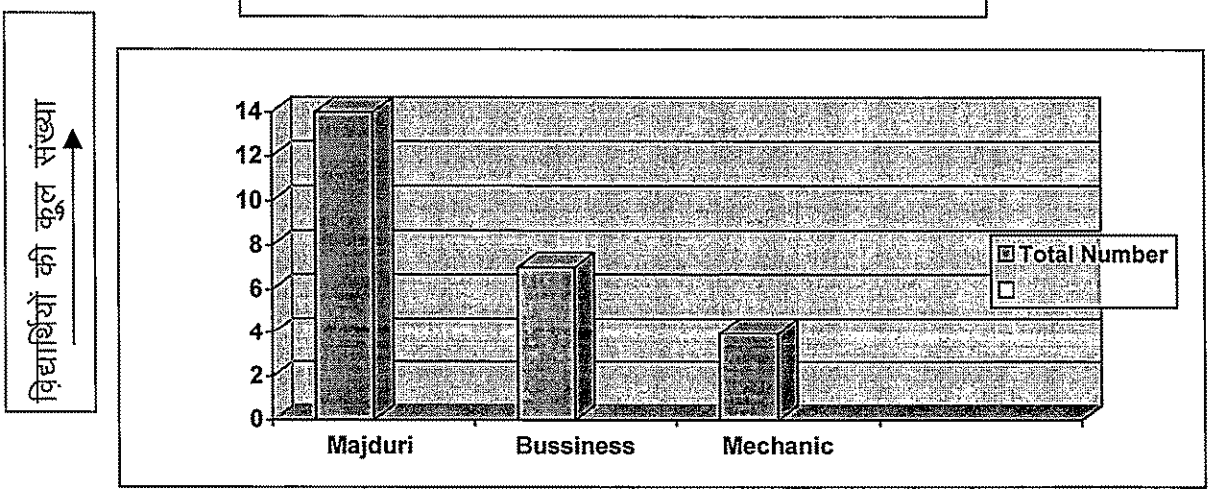

तालिका क्रमांक –4.6 दर्शाती है कि 14 विद्यार्थियों के पिता मजदूरी, 7 विद्यार्थियों के पिता स्वयं का व्यवसाय तथा 4 विद्यार्थियों के पिता मैकेनिक है।

तालिका क्रमांक – 4.7
ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की माता का व्यवसाय

क्रमांक	माता का व्यवसाय	कुल संख्या
1	मजदूरी	9
2	गृहणी	15
3	स्वयं का व्यवसाय	1
	कुल योग	**25**

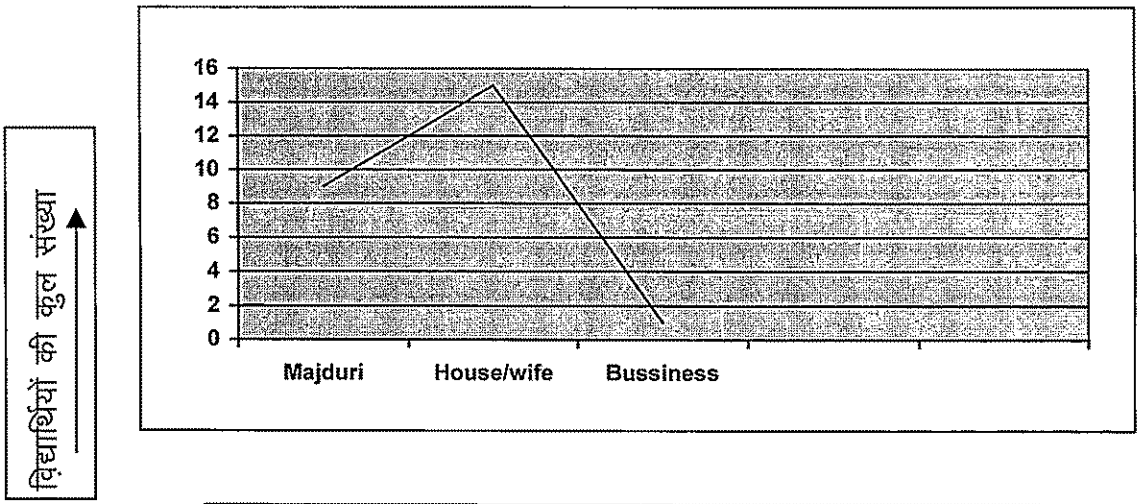

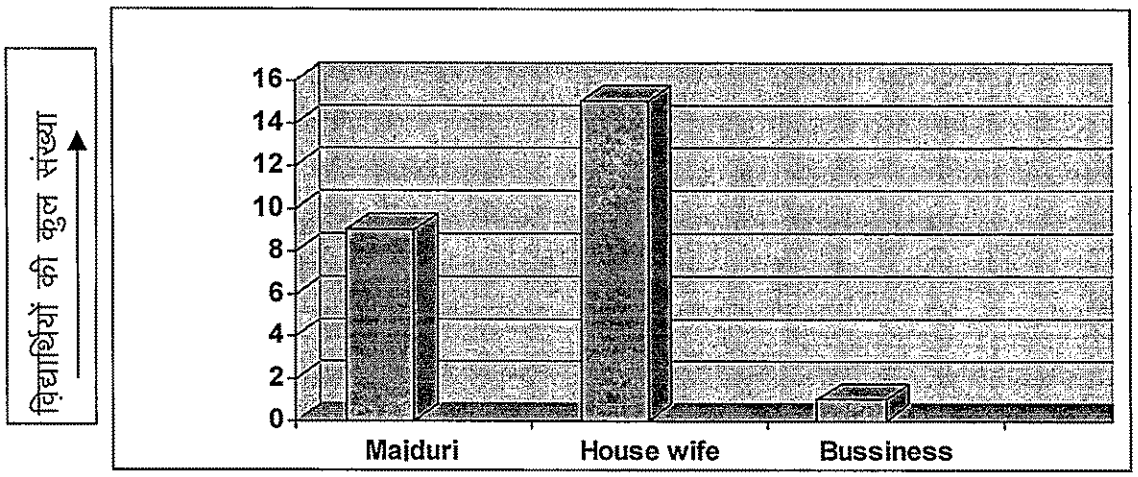

तालिका क्रमांक –4.7 से यह ज्ञात होता है कि 9 छात्राओं की माता मजदूरी, 15 छात्राओं की माँ गृहणी तथा 1 छात्रा की माँ स्वयं का व्यवसाय करती है।

4.3 ब्रिजकोर्स का प्रभाव–(ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों का विद्यालय में प्रवेश व ठहराव)

4.3.1 ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों का विद्यालय में प्रवेश

ब्रिजकोर्स में 25 बच्चों ने प्रवेश लिया उनमें से सभी बच्चों ने आवासीय ब्रिजकोर्स माध्यमिक शाला दीप शिखा कक्षा पांचवी में प्रवेश लिया है।

4.3.2 ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों का विद्यालय में ठहराव

ब्रिजकोर्स में 19 बच्चें वहाँ के नियमित विद्यार्थी है।

4.4 ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि

ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 44.74 है।

No	B.C -1/NBC-2	Total	Oral/HM	WrittenH/M	Written Hindi	Written Maths
1	1	62	36	26	16	10
2	1	41	27	14	12	2
3	1	41	17	24	12	12
4	1	46	28	18	12	6
5	1	43	34	9	8	1
6	1	47	30	17	12	5
7	1	20	14	6	6	0
8	1	69	45	24	16	8
9	1	33	15	18	12	6
10	1	21	10	11	7	4
11	1	20	12	8	6	2
12	1	29	14	15	13	2
13	1	56	30	26	16	10
14	1	39	32	17	13	4
15	1	68	38	30	17	13
16	1	44	30	14	11	3
17	1	36	28	8	5	3
18	1	69	45	24	16	8
19	1	66	44	22	17	5

4.5 ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।

- **परिकल्पना – ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों को शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।**

तालिका क्रमांक 4.8

Category	N	Mean	Std deviation	t	df	Remark
BC	19	44.74	16.53	-4.314	53	Significant
NBC	36	66.53	18.44	-4.465	40.453	

तालिका 4.8 देखने पर यह ज्ञात होता है कि 0.01 स्तर पर तालिका मान से गणना मान ज्यादा है यानि कि दोनों के बीच सार्थक अंतर है। नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है हमें ऐसा लगता है कि, ये सभी बालक–बालिकाएँ उन परिवारों से है जो सामान्यतः शिक्षा के लिए जागरूक है तथा बच्चों को शिक्षा हेतु समान्यतः संचालित विद्यालयों में प्रवेश दिलाते हैं साथ ही प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की दृष्टि से बालक तथा बालिकाओं को परिवार के सदस्यों द्वारा समान रूप से सहयोग करते है जबकि आवासीय ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों के माता–पिता शिक्षा के प्रति बहुत ज्यादा जागरूक नही होते इसी कारण या तो बच्चे विद्यालय नहीं जाते या पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते है। साथ ही अभिभावक भी बच्चों को ठीक से सहयोग नहीं कर पाते। इसलिए इन बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि कम है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

- **ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की मौखिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं हैं।**

तालिका क्रमांक 4.9

Category	N	Mean	Std Deviation	t	df	Remark
BC	19	27.32	11.29	-3.419	53	Significant
NBC	36	37.53	9.70	-3.323	31.992	

तालिका क्रं. 4.9 यह दर्शाती है कि 0.01 स्तर पर मान से गणना मान ज्यादा है यानि कि ब्रिजकोर्स तथा नॉन ब्रिजकोर्स के बीच सार्थक अंतर है। ऐसा हो सकता है कि, ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों को सही ढंग से घर में शैक्षिक वातावरण नही मिल पाता। इसलिए शुरू से उनका ध्यान घर के काम या खेल में रहता है। ये सभी आदते उनमें ब्रिजकोर्स में नामांकन के समय भी होती है। इसलिए वे मन लगाकर नहीं पढ़ पाते जबकि नॉन ब्रिज कार्स के विद्यार्थी पूर्व प्राथमिक स्तर से ही शिक्षा ग्रहण करते है। इसलिए उनकी शिक्षा में रूचि रहती है इसलिए ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की मौखिक उपलब्धि परीक्षा में सार्थक अंतर है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

➢ **ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका क्रमांक 4.10

Category	N	Mean	Std Deviation	t	df	Remark
BC	19	17.42	7.10	-4.153	53	Significant
NBC	36	29.06	10.98	-4.728	50.637	

तालिका क्रमांक 4.10 यह इंगित करती है कि 0.01 स्तर पर तालिका मान से गणना मान ज्यादा है यानि कि ब्रिजकोर्स तथा नॉन ब्रिजकोर्स के बीच सार्थक अंतर है।

हमें ऐसा लगता है कि, ब्रिजकोर्स में वे छात्राएँ होती है जो शाला त्याग या विद्यालय से बाहर होते है उन्हें प्रवेश हेतु प्रेरित किया जाता है परन्तु फिर भी वे शिक्षा के प्रति कम आकर्षित होते हैं उन्हें लिखने का अभ्यास नही होता जबकि नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों को सामान्य रूप से शिक्षा मिलती है। जिनमें उनके परिवार का भी सहयोग होता है और वे विद्यार्थी हमेशा लिखते रहते है इसलिए ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

➢ **ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की हिन्दी लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका क्रमांक 4.11

Category	N	Mean	Std deviation	t	df	Remark
BC	19	11.95	3.94	-1.503	53	Not Significant
NBC	36	14.14	5.67	-1.677	48.856	

तालिका क्रमांक 4.11 यह सूचित करती है कि 0.01 स्तर पर तालिका मान से गणना मान कम है यानि कि ब्रिजकोर्स तथा नॉन ब्रिजकोर्स के बीच सार्थक अंतर नही है। ऐसा हो सकता है कि हिन्दी, ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की मातृभाषा है वे शुरू से हिन्दी बोलते है। इसलिए हिन्दी लिखने में रूचि भी लेते है इस कारण उनकों हिन्दी

सरल लगती है। जबकि नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों को सभी विषय गणित, अंग्रेजी, विज्ञान पढ़ने होते हैं जो कि कठिन होते हैं। इसलिए उनको अपना पूरा ध्यान सभी विषयों पर देना होता है। सामान्यतः ऐसा होता है कि जो विषय कठिन लगते हैं उनको बच्चे पढ़ने से बचते हैं। इसलिए ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्याार्थियों को हिन्दी लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

- **ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की गणित की लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।**

तालिका क्रमांक 4.12

Category	N	Mean	Std deviation	t	df	Remark
BC	19	5.47	3.78	-5.813	53	Significant
NBC	36	14.81	6.42	-6.779	52.255	

तालिका क्रमांक 4.12 यह प्रदर्शित करती है कि 0.01 स्तर पर तालिका मान से गणना मान ज्यादा है यानि कि ब्रिजकोर्स तथा नॉन ब्रिजकोर्स के बीच सार्थक अंतर है।

ऐसा लगता है कि गणित एक कठिन विषय होता है गणित अभ्यास से ही आता है नॉन ब्रिजकोर्स के बच्चे विद्यालय के नियमित विद्यार्थी होते है। वे हमेशा पढ़ते लिखते है तथा अभ्यास करते है घर में भी उनके बड़े भाई–बहनों का प्रभाव भी उन पर पड़ता है। उनको देखकर भी वे काफी कुछ सीखते है जबकि आवासीय ब्रिजकोर्स की छात्राओं को परिवार में प्रेरक वातावरण नही मिल पाता उनको ब्रिजकोर्स में नामांकन के बाद भी नॉन ब्रिजकोर्स के बराबर आने में कुछ समय तो लगता ही है। इसलिए वे नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की तुलना में पिछड़े रहते है। अतः कहा जा सकता है कि ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की हिन्दी लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

4.6 प्राप्त परिणामों का निष्कर्ष एवं व्याख्या

शोध कार्य की प्रक्रिया में आंकड़ो के विश्लेषण के आधार पर समष्टि के गुणों के संबध में निष्कर्ष निकालने का प्रयास किया जाता है। अतः परिकल्पना के सत्यापन के

आधार पर प्राप्त परिणामों के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष एवं उनकी व्याख्या निम्नानुसार की जा रही है–

- ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
- ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की मौखिक उपलब्धि परीक्षा में सार्थक अंतर है।
- ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर है।
- ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की हिन्दी लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
- ब्रिजकोर्स और नॉन ब्रिजकोर्स के विद्यार्थियों की गणित लिखित उपलब्धि परीक्षा की उपलब्धि में सार्थक अंतर है।